S-260

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-504

नाटक एवं नाट्यशास्त्र भाग-01

MA Sanskrit (MASL)

1st Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. नाट्यशास्त्र के किन्हीं चार टीकाकारों का परिचय देते हुए उनके नाट्यशास्त्र संबंधी सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

2. नाट्य का रचनाकाल क्या है तथा नाट्यशास्त्र के सम्पूर्ण अध्यायों का संक्षिप्त विषयवस्तु लिखिए।

3. रूपक कितने प्रकार का होता है? उसके सभी प्रकारों की लक्षण सहित व्याख्या कीजिए।

4. संधि के प्रकारों का नामोल्लेख करते हुए निर्वहणसंधि के लक्षण और भेदों की व्याख्या कीजिए।

5. कथावस्तु क्या है? अर्थोपक्षेपक के भेदों का लक्षण सहित व्याख्या कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. नाट्यशास्त्र का स्वरूप तथा उसके रचनाकार की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

2. आचार्य अभिनव गुप्त पाद का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का नाम लिखिए।

3. धर्म्यमर्थ्यं यशस्यं सोपदेश्यं ससन्ग्रहम।
भविष्यतश्च लोकस्य सर्वकर्मानुदर्शकम।।
सर्वशास्त्रर्थसम्पन्नं सर्वशिल्पप्रवर्तकम।
नाट्याख्यं पंचमं वेदं सेतिहासं करोम्यहम।।
उपरोक्त की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

4. प्रकरण और प्रहसन क्या है? व्याख्या कीजिए।

5. मुख संधि का लक्षण एवं उसके भेदों की व्याख्या कीजिए।

6. दशरूपक के अनुसार नायिका भेद की व्याख्या कीजिए।

7. श्रृंगार रस के भेदों का लक्षण सहित व्याख्या कीजिए।

8. अर्थप्रकृति कितने हैं? लक्षण सहित व्याख्या कीजिए।